3. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद

अभ्यास-कार्य

पृष्ठ संख्या–159

उत्तर–

4. भाषा का उद्‌देश्य है–'संप्रेषण'। संप्रेषण के अंतर्गत हम 'वार्तालाप' करते हैं और 'वार्तालाप' की रचना वाक्यों से होती है। अतः वार्तालाप की आधारभूत इकाई 'वाक्य' है। वाक्यों के द्‌वारा व्यक्ति अपने भावों और विचारों को व्यक्त करता है।

वाक्यों की रचना विभिन्न पदों और पदबंधों से होती है। वाक्य में आए हुए सभी पदबंध परस्पर मिलकर वक्ता के विचार या संदेश को प्रकट करते हैं। इस तरह यह कहा जा सकता है कि 'वाक्य' मानव मन के भावों और विचारों को व्यक्त करनेवाली भाषा की लघुतम इकाई है। वाक्यों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

1. बच्चे पतंग उड़ा रहे हैं।
2. सब लोग बहस कर रहे हैं।
3. किसान खेतों में हल चला रहे हैं।

5. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रमुख भेद तथा उनके उदाहरण निम्नलिखित हैं–

1. कथनात्मक या विधानवाचक वाक्य

उदाहरण– 1. तेज़ हवा चल रही है।
2. बारिश आनेवाली है।

2. प्रश्नवाचक वाक्य

उदाहरण– 1. क्या आप खाना खा चुके हैं?
2. क्या तुम मेरे घर चलोगी?

3. आज्ञार्थक वाक्य

उदाहरण– 1. तुम यहाँ से जाओ।
2. अपना काम करो।

4. इच्छार्थक वाक्य

उदाहरण– 1. अब चला जाए।
2. चलकर खाना खाया जाए।

5. संभावनार्थक वाक्य

उदाहरण– 1. शायद आज बारिश आए।
2. संभवतः ट्रेन मिल जाए।

6. विस्मयादिबोधक वाक्य

उदाहरण– 1. अरे! तुम कब आए?
2. उफ़! आज कितनी भयंकर गरमी है।

7. संकेतवाचक वाक्य

उदाहरण– 1. यदि बारिश न आई तो हम लोग कहीं घूमने चलेंगे।
2. अगर नौकरी मिल जाती तो बहन की शादी कर देता।

8. निषेधात्मक या नकारात्मक वाक्य

उदाहरण– 1. आज बच्चे स्कूल नहीं जाएँगे।
2. उन्होंने नाश्ता नहीं किया।

6. 1. निषेधात्मक इच्छार्थक तथा निषेधात्मक आज्ञार्थक में अंतर–

जिन वाक्यों में कथन का निषेध किया जाता है, उन्हें निषेधात्मक वाक्य कहते हैं। इन्हीं निषेधात्मक वाक्यों में 'न' का प्रयोग होता है, तो निषेधात्मक इच्छार्थक और 'मत' का प्रयोग होता है, तो निषेधात्मक आज्ञार्थक वाक्य कहते हैं।

2. सामान्य संकेतवाचक तथा निषेधात्मक संकेतवाचक में अंतर–

जिन वाक्यों में वक्ता सामान्य रूप से किसी शर्त का विधान करता है, उन्हें सामान्य संकेतवाचक वाक्य कहते हैं जबकि निषेधात्मक संकेतवाचक वाक्यों में वक्ता द्वारा शर्त के विधान के साथ ही निषेध के भाव को भी व्यक्त किया जाता है।

3. 'क्या' से प्रारंभ होने वाले प्रश्नवाचक वाक्य तथा प्रश्नवाचक शब्द बीच में आनेवाले वाक्यों में अंतर– जिन प्रश्नवाचक वाक्यों में 'क्या' शब्द वाक्य के प्रारंभ में आता है, उन वाक्यों के उत्तर 'हाँ'/'ना' में दिए जाते हैं और जिन वाक्यों के बीच में प्रश्नवाचक शब्द आते हैं, उनका उत्तर मात्र 'हाँ'/'ना' में नहीं दिया जा सकता।

7. 1. कथनात्मक/विधानवाचक 2. निषेधात्मक 3. प्रश्नवाचक

4. विस्मयादिबोधक 5. आज्ञार्थक 6. संभावनार्थक
7. निषेधात्मक आज्ञार्थक 8. आज्ञार्थक 9. संभावनार्थक
10. संकेतवाचक 11. कथनात्मक 12. निषेधात्मक
13. निषेधात्मक 14. आज्ञार्थक 15. प्रश्नवाचक
16. इच्छार्थक 17. निषेधात्मक आज्ञार्थक
18. प्रश्नवाचक 19. निषेधात्मक 20. निषेधात्मक
21. इच्छार्थक 22. आज्ञार्थक 23. विस्मयादिबोधक
24. संकेतवाचक 25. प्रश्नवाचक

8. 1. लड़के मैदान में नहीं खेलते हैं। 2. तुम आज क्यों नहीं आओगे?
3. क्या वे लोग शिमला में रहते हैं? 4. आप मेरे घर न चलें।
5. तुम्हें नौकरी मिल जाए। 6. शायद आज बारिश हो।
7. उफ़! कितनी बदबू है। 8. यदि मैं उसके साथ रहूँ तो अच्छा लगेगा।
9. उसके घर जाओ। 10. शायद मुकेश क्रिकेट खेले।
11. क्या यह चार आँखों वाला एक जानवर है?
12. लड़का टी०वी० न देखे। 13. वाह! तुम्हारा बेटा बहुत सुंदर है।
14. दृश्य बहुत ख़ूबसूरत है। 15. वह अच्छी लड़की नहीं है।
16. क्या मीरा को नौकरी मिल गई? 17. शायद डॉक्टर न मिले।
18. अगर मेरे पास रुपये न होते तो मैं गाड़ी न ख़रीद पाता।
19. वह पत्र लिखे।
20. वाह! लड़की बहुत मधुर गीत गा रही है।
21. मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों साथ जाओ।
22. शायद उसकी बहन परीक्षा दे रही है।
23. मीरा तुम रोज़ कंप्यूटर सीखने जाओ।
24. अरे! उसके चाचा जी चल बसे।
25. क्या मैंने फ़िल्म देखी थी?
26. मैं दिल्ली नहीं जाऊँगा।
27. अब वह पैसे देने से रहा।
28. अगर सब ठीक रहा तो अगले साल हम शिमला ज़रूर जाएँगे।

29. यदि अच्छे काम करोगे तो प्रशंसा मिलेगी।

30. आप कमरे से बाहर न जाएँ।

9.

वर्ग–क		वर्ग–ख
1.	⟶	(*xii*)
2.	⟶	(*v*)
3.	⟶	(*ix*)
4.	⟶	(*i*)
5.	⟶	(*x*)
6.	⟶	(*ii*)
7.	⟶	(*xi*)
8.	⟶	(*iii*)
9.	⟶	(*vi*)
10.	⟶	(*vii*)
11.	⟶	(*iv*)
12.	⟶	(*viii*)

10. 1. (ख) 2. (घ) 3. (*i*) और (*iii*) सही हैं। 4. (ग) 5. (क)